SSC PRE-PUBLIC- 10.02.2026 – HINDI PRIMARY KEY

SCAN HERE

भाग-1 (35 M)

I. अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया:-

1) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) लेखक ने इस अनुच्छेद में गोदावरी नदी की महानता का वर्णन किया।

आ) A

इ) C

ई) B

2) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) भारतवासी सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया महकायेंगे।

आ) B

इ) C

ई) A

3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) मन को नियंत्रित कर उसे बुराई के रास्ते पर चलने से रोकना ही वास्तविक शांति है।

आ) C

इ) A

ई) B

4) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) नेताजी आई.सी.एस परीक्षा पास करने इंग्लैंड गए।

आ) B

इ) A

ई) A

5. निम्न लिखित पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) पतंग बोला- मैं हूं शेर।

आ) B

इ) D

ई) B

6. निम्न लिखित लेखक परिचय पढ़कर रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। 5x1=5M

अ) हिंदी के जाने-माने लेखक **श्री प्रकाश** है।

आ) श्री प्रकाश **हिंदी** के जाने-माने लेखक है।

इ) श्री प्रकाश ने **विज्ञान** विषय के निबंध लिखे हैं।

ई) विचारोत्तेजक निबंध **श्री प्रकाश** ने लिखा।

उ) विज्ञान के संबंध में **श्री प्रकाश** ने अधिक निबंध लिखे।

7. संकेतों के आधार पर किसी एक कवि के बारे में पाँच वाक्य लिखिए। 5M

आर. पी. निशंक जी

उ-* आर. पी निशंक हिंदी के प्रमुख कवि हैं।

* उनका जन्म 15 जुलाई सन् 1959 में हुआ।

* उनका पूरा नाम रमेश पोखरियाल निशंक जी है।

* हम भारतवासी कविता 'मातृभूमि के लिए' कविता संग्रह से ली गई है।

* ये आधुनिक हिंदी साहित्यकारों में विशिष्ट स्थान रखते हैं।

* इनकी रचनाओं का मुख्य प्रतिपाद्य देशभक्ति है

* इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ- "जीवन पथ में", "कोई मुश्किल नहीं", "समर्पण", "नवंकुर", "मुझे विधाता बनना है" आदि।

आ) बिहारी :

उ- * बिहारी हिंदी के प्रमुख कवि हैं।

* इनका जन्म 1595 में हुआ था।

* इनकी मृत्यु 1663 में हुई।

* इनके दोहे नीतिपरक होते हैं।

* इनकी प्रसिद्ध रचना बिहारी सतसई है।

* बिहारी लाल के दोहों में गागर में सागर भर देने वाली बात रहती है।

भाग-II (16M)

II. अभिव्यक्ति:-

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार वाक्यों में लिखिए। 4 x 4 = 16M

8. अ) रहिमन पानी_____मानुष चून ॥ दोहे की पूर्ति कीजिए।

उत्तर- रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरै, मोती मानुष चून ॥

आ) उ. यह प्रश्न "कण-कण का अधिकारी" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: कण-कण का अधिकारी
कवि का नाम	: डॉ. रामधारी सिंह दिनकर जी
जीवन काल	: सन् 1908-1974
रचनाएँ	: ऊर्वशी, कुरुक्षेत्र, रेणुका आदि।
पुरस्कार	: ज्ञानपीठ (ऊर्वशी)

★मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

★नर समाज का भाग्य, श्रम और भुजबल है।

★श्रमिक के सम्मुख भूमि और आकाश झुके हैं। जो श्रमजल देकर मेहनत करता है वही कण-कण का अधिकारी है।

★श्रमिक के सम्मुख भूमि और आकाश झुकते हैं।

★जो श्रमजल देकर मेहनत करता है वही कण-कण का अधिकारी है। इसलिए उसे आगे रखना है।

9. अ) उ- यह प्रश्न "अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी" पाठ से दिया गया है।
यह एक पत्र है, जिसमें हिंदी भाषा की महानता का वर्णन किया गया है।

★ हिंदी भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने वाली प्रमुख भाषा है।

★ भारत को आज़ादी दिलाने में हिंदी भाषा का विशेष योगदान रहा है।

★ हिंदी भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधती है, इसलिए यह अनेकता में एकता का प्रतीक है।

★ महात्मा गाँधी जी ने भी हिंदी भाषा का समर्थन किया था।

★ हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस तथा 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाये जाते हैं।

आ) उ- यह प्रश्न "ईदगाह" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: ईदगाह
लेखक	: प्रेमचंद जी
जन्म	: 1880-1936
प्रमुख रचनाएँ	: 12 उपन्यास, गोदान, गबन, निर्मला
पुरस्कार	: उपन्यास सम्राट

★ हामिद 4-5 साल का लड़का था। दादी अमीना के पास रहता था।

★ ईद के दिन मित्रों से मिलकर ईदगाह जाता था।

★ सभी बच्चे मिठाइयाँ और खिलौने खरीदते थे।

★ लेकिन हामिद ने अपनी दादी का दुःख दूर करने के लिए चिमटा खरीदा।

★ क्योंकि रोटियाँ सेंकते समय दादी की उँगलियाँ जल जाती थीं।

★ चिमटा देखकर अमीना का मन गदगद हो गया और उसकी आँखों से आँसू बहने लगे।

10. अ) उ- यह प्रश्न "स्वराज्य की नींव" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	:स्वराज्य की नींव
एकांकीकार	:विष्णु प्रभाकर जी
जन्म	:1912-2009
रचनाएँ	:आवारा मसीहा आदि
पुरस्कार	:पद्म भूषण, सोवियत लैंड नेहरू

★विष्णु प्रभाकर जी हिंदी के प्रमुख लेखक हैं।

★स्वराज्य की नींव का तात्पर्य यह है कि सेवा, तपस्या बलिदान आदि गुण अपनाकर संघर्ष करना।

★आवश्यकता पड़ने पर शहीद बनने को भी तैयार रहे।

★रानी लक्ष्मीबाई झाँसी की वीरांगना रानी थीं।

★उनका कथन "मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी" मुझे बहुत अच्छा लगा, क्योंकि यह उनके साहस, देशभक्ति और आत्मसम्मान को दर्शाता है।

आ) उ-यह प्रश्न "धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब पाठ से दिया

पाठ का नाम	:धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब
विधा	: साक्षात्कार
विशेष	: अब्दुल कलाम, टेसी थॉमस के साक्षात्कार

★ इस पाठ में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी तथा उनकी शिष्या टेसी थॉमस के विचारों का वर्णन किया गया है।

★ कलाम जी के अनुसार आदर्श छात्र के गुण ये हैं-
- बच्चे - अपने प्रति ईमानदार और दूसरों के प्रति आदर होना चाहिए।
- भ्रष्टाचार मुफ्त रहना और परिश्रमी बनना है।
-सत्य का पालन, कानून का सम्मान करना चाहिए तथा अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

11. अ) उ- यह प्रश्न "दो कलाकार" पाठ से दिया गया है। कहानीकार - मन्नू भंडारी जी है।

★ अरुणा और चित्रा सहेलियाँ हैं।

★ चित्रा ललितकला प्रेमी है। चित्रा के उद्देश्य में कला कला के लिए है, न कि जीवन के लिए।

★ अरुणा उपयोगी कला प्रेमी है। अरुणा के उद्देश्य में कला जीवन के लिए है, न कि मात्र कला के लिए।

★ अरुणा मदर तेरेसा की तरह ममतामयी और करुणामयी है। वह अनाथों की नाथ है।

★ चित्रा विदेश जाकर अपनी चित्रकला को निखारती है और प्रसिद्धि प्राप्त करती है।

आ) उ- यह प्रश्न अनोखा उपाय पाठ से दिया गया है। लेखक - डॉ रावूरि भरद्वाज जी है।

★ राजा कुमारवर्मा छोटी - छोटी भूलें की होगी।

★ उन्होंने उनका सुधार नहीं नहीं किया होगा।

★ इसी करने के कारण, राज्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई होगी।

★ राजा ने यज्ञ-याग आदि किया होगा। अडोस-पडोस के राजाओं से अनाज उधार लिया होगा। कई बुद्धिमानों से सलाह लेकर उपाय सोचे होंगे।

भाग-III (16M)

III. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए।

12. किसी एक प्रश्न का उत्तर आठ वाक्यों में लिखिए। **1x8 = 8M**

अ) बरसते बादल कविता में कवि ने SAवन का वर्णन किस प्रकार किया ?

उ- **परिचय:** यह प्रश्न "बरसते बादल" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: बरसते बादल
विधा	: कविता
कवि का नाम	: सुमित्रानंदन पंत जी
जीवन काल	:1900-1977
प्रमुख रचनाएँ	: चिदंबरा
पुरस्कार	: ज्ञान पीठ - चिदंबरा

सारांश :

★ वर्षा ऋतु हमेशा सब की प्रिय ऋतु रही है। सावन के महीने में मेघ झम झम बरसते हैं।

★ वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है।

★ पेड-पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक की धरती खुशी से झूम उठते हैं।

★ आकाश में बिजली चमचम चमकती है।

★ पानी बरसते समय मेंढक खुशी से टर्राते हैं। मोर कूकते हुए नाचने लगते हैं।

★ बारिश की धारा को पकड़ कर मन झूलने लगता है।

★ प्रकृति में रहनेवाला हर प्राणी वर्षा पर निर्भर रहता है। पानी के बिना मानव, पशु पक्षी और पेड-पौधे जीवित नहीं रह सकते।

★वर्षा से नदियाँ भरती हैं। वह पानी फसलों के लिए काम आता है। अत: वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है।

विशेषता: इसी सौंदर्य का वर्णन यहाँ प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि सब के मन को भानेवाला यह श्रावण मास हमारे जीवन में फिर-फिर आयें।

आ) मीरा की भक्ति भावना कैसी थी ? अपने शब्दों में लिखिए।

उ- परिचय- यह प्रश्न "भक्ति पद" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : भक्ति पद
कवयित्री :मीरा बाई :
जीवनकाल :1498-1573
रचना :मीराबाई पदावली
विशेष :कृष्णोपासक कवयित्रियों में श्रेष्ठ

सारांश :

★मीरा बाई कृष्णोपासक कवयित्रियों में श्रेष्ठ है।

★उनकी भक्ति भावना सगुण और माधुर्य भाव की है।

★उनके पदों में प्रेम, त्याग, भक्ति और आराधना के भाव हैं।

★ मीरा भगवान के प्रति इस तरह अपनी भक्ति भावना प्रकट करती है।

* मुझे भगवान रूपी रत्न का धन मिला।
* यह धन सतगुरु के द्वारा मिला।
* यहाँ खर्च करने पर भी नहीं घटता।
* चोर नहीं लूट सकता।
* यह संपदा प्रतिदिन बढ़ता है।

विशेषता: सच्चे रूपी नाव का नाविक सद्गुरु है। जिससे सारा संसार आसानी से पार कर सकते हैं।

13. किसी एक प्रश्न का उत्तर आठ वाक्यों में लिखिए। 1x8 = 8M

अ) भारतीय सभ्यता संस्कृति में लोकगीतों का क्या योगदान है ?

उ- परिचय: यह प्रश्न" लोकगीत "पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : लोकगीत
लेखक : भगवतशरण उपाध्याय जी
जीवनकाल :1910-1982
रचनाएँ : कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी

सारांश :

★ लोकगीत सीधे जनता के संगीत है। इनके स्पनेवाले गाँव के स्त्री-पुरुष हैं।

★ ये साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाये जाते हैं।

★ पहाडियों के अपने लोकगीत होते हैं।

★ बारहमासा - उत्तर प्रदेश, बिदेसिया-भोजपुरी, माहिया-पंजाबी, ढोला- मारू - राजस्तान, बाउल-बंगाल में लोकप्रिय लोकगीत हैं।

★ लोकगीत स्वच्छ जीवन का दर्पण हैं।

★ लोकगीत भारतीय सभ्यता और संस्कृति की गरिमा का प्रतीक है।

विशेषता: इस प्रकार लोकगीत ग्रामीण जीवन का सजीव और मनोरंजक माध्यम हैं।

आ) जल स्त्रोंतों के रख-रखाव के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे।

उ- परिचय: यह प्रश्न "जल ही जीवन है" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : जल ही जीवन है।
कहानीकार : श्री प्रकाश जी
रचनाएँ : संचार माध्यमों के लिए विज्ञान

सारांश :

★ जल ही जीवन है। अर्थात "पानी ही सब कुछ है।" पानी के बिना प्राणी नहीं रह सकते।

★ जल हमारे जीवन का प्रमुख आधार है। जल के बिना हमारा जीवन ही नहीं है।

★ आजकल स्वच्छ जल का अभाव बड़ी समस्या बनता जा रहा है।

★ सर्वेक्षण में बताया गया कि पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती जा रही है।

★ इस पाठ में बताया गया कि अंतरिक्ष यात्री हमारे नील ग्रह से पानी ले जा रहे हैं।

जल संरक्षण के उपाय :-

★ पानी का सदुपयोग करें। पानी का प्रदूषण न करें। जल को साफ रखे, गंदा न करें।

★ जल स्तोत्रों को साफ रखें। जल संरक्षण के लिए सबको अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

★ जल के बिना जीव राशियों का अस्तित्व नहीं है। हमारे लिए आवश्यक आहार पदार्थों के उत्पादन में जल का मुख्य पात्र है।

विशेषता: हमें जल का अपव्यय नहीं करना चाहिए। जल बचाना ही जीवन बचाना है।

भाग-IV (18M)

IV. सृजनात्मकता:-

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए।

14. किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए। **1x8 = 8M**

अ) या आ)

अंक विभाजन

1. स्थान	-	**1 अंक**
2. दिनांक	-	**1 अंक**
3. संबोधन	-	**1 अंक**
4. पता	-	**1 अंक**
5. भाषा एवं विषय की अनुकूलता	-	**4 अंक**
कुल		**8 अंक**

15. किसी एक निबंध का उत्तर दस वाक्यों में लिखिए। 1x10 = 10M

अ) या आ)

अंक विभाजन

अ) प्रस्तावना / भूमिका	-	2 अंक
आ) विषय विस्तार, विषय विश्लेषण	-	4 अंक
इ) मौलिक भाषा	-	2 अंक
ई) उपसंहार	-	2 अंक
कुल		10 अंक

भाग-V

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए। 15 x 1=15M

16. मयूर

17. बरसते

18.1556

19.के

20.पेड़

21.बेचना

22.तत्पुरुष समास

23.परि + आवरण

24.सु

25.ई

26.आँखें खुलेंगी

27. वह रविदास की शिष्या है।

28.लड़कियाँ गाना गाती हैं।

29.स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गायेंगी।

30.तुम अपना काम करो।

अध्यापक/अध्यापिका के हस्ताक्षर प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर